Yayawari
via bhojpuri

तीन बहने

येनो हैलतई

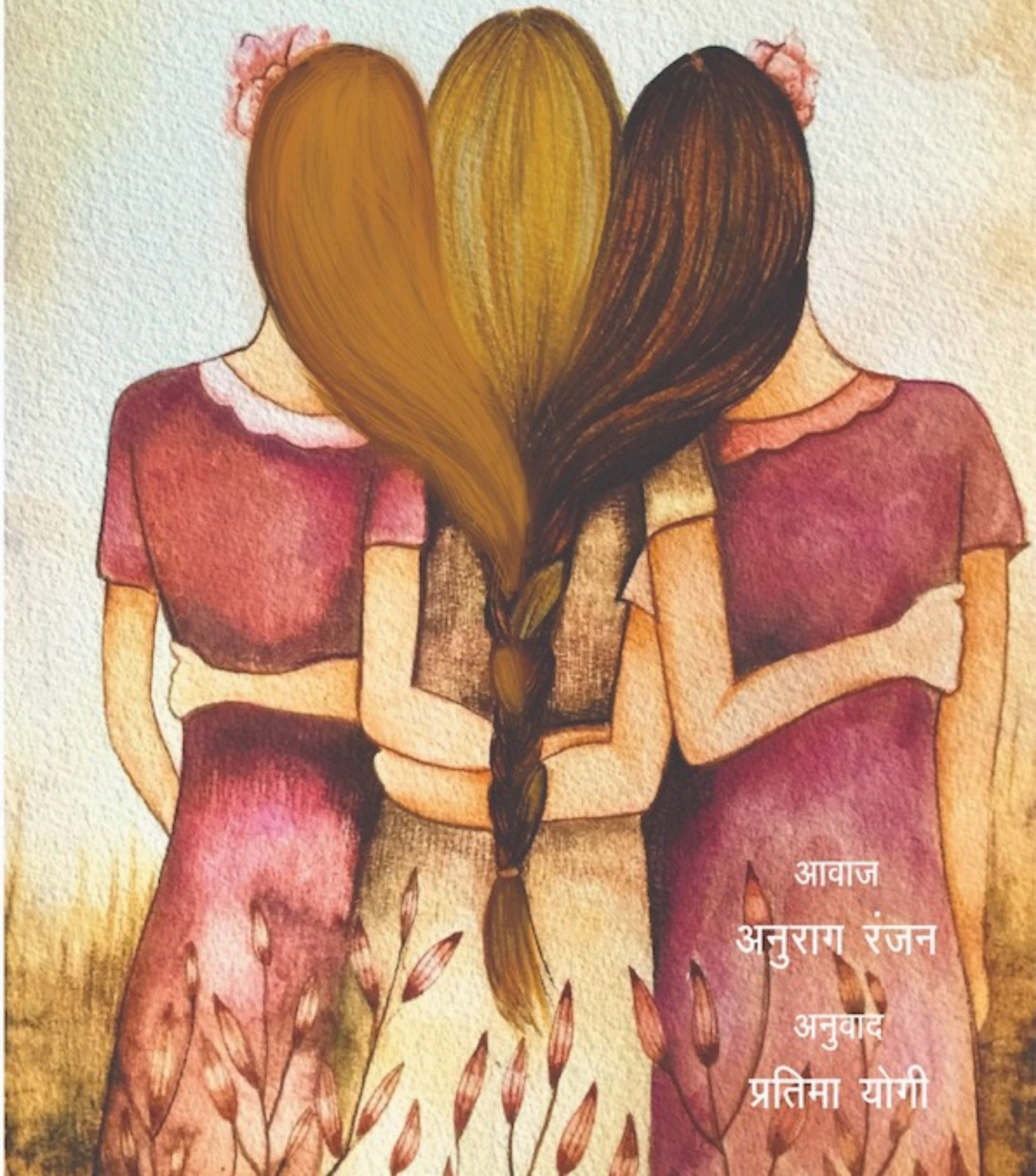

आवाज

अनुराग रंजन

अनुवाद

प्रतिमा योगी

तीन बहनें (हंगरी)

कहानी

लेखक- येनो हैलतई

अनुवादक- अनुराग रंजन

"ईश्वर बृज" फ़ाउंडेशन के तहत माटी परियोजना के अंतर्गत अनूदित

प्रकाशक: नॉटनल

प्रकाशन: मई, 2023

तुंदेर्लकि बहिन गिनती मे तीन गो रहे लो। ओमे से दु जानी इज्जतदार रहे लो, बाक़िर तीसरको ना रही। इज्जतदार लईकीयन के नाव रहे मरिश्का आ यौलान- जे इज्जतदार ना रही उ रहली पुत्यि कवनों अभिनेत्रीयों न रहली- बस एगो तमाशा करे वाली रही। उ अनैतिक जीवन बितावस, काहेकी उनकर एगो हित रहे (बिना कवनों शक के एके गो) जवन बहुते अमीर रहे आ उनका के रखैल लेखा राखत रहे। उ इनका खातिर एगो बड़हन घर सजवले रहे, उनका पऽ हीरा जेवरात के बरखा करो, आउर उनका साज सवार ला खुल के खरचा करो।

मरिश्का आ यौलान पुत्यि के संगे रहत रहे लो। पुत्यि ओह लो के कपड़ा, गहना, हैट आ रूपिया देहल करस। काहेकी पुत्यि निमन बहिन रही आ ओह लोग के इज्ज्तदारी के ऊंच नजर से देखस। मरिश्का आ यौलन के एह बात के बहुते गर्व रहे की उ इज्जतदार बा लो आ ओह लो के रहे खातिर, रेशमी जुराबन खातिर, पंखदार हैट आ पेटेंट लेदर के जूतन का बदला में कुछो देवे के ना पडों।

एकरा आलवे मरिश्का का माथ उंच कऽ के चले के एगो खास वजह रहे। उ टीचर बनल चाहत रहली। साँच तऽ इहें बा कि उ डिप्लोमा कर चुकल रही आ उनका ऊमीद रहे कि कहियों नौकरी जरूर मिली, बाक़िर ना जाने काहे ओमे देर होखत जात रहे। हालाँकि पुत्यि के हित जमींदार साहेब कृपा वश उनकर तरफदारी करत रहले, इहाँ तक ले कि उ एह संबंध में एल्डरमैन आ काउंसिलरे से ना, खुदे मेयर साहेब से मिल चुकल रहले।